

किए जाएंगे।

किन् मामलों में कारोबारियों को राहत मिल सकती है?

प्रस्ताव का उद्देश्य सामान्य कर विवादों को आपराधिक कार्रवाई से

अलग रखना है। वस्तुओं के वर्गीकरण, उनकी कीमत तय करने या इनपुट टैक्स क्रेडिट को लेकर कारोबारी और कर अधिकारी अलग-अलग राय रखते हैं। ऐसे विवादों में हर मामले को आपराधिक मुकदमे तक ले जाने के बजाय टैक्स वसूली और आर्थिक दंड पर जोर दिया जा सकता है। देर से रिटर्न दाखिल करने, कर भुगतान में देरी या कारोबार की नकदी स्थिति के कारण भुगतान अटकने जैसे मामलों में भी टैक्स, ब्याज और उचित जुमाना चुकाकर राहत पाने का रास्ता आसान हो सकता है। हालाँकि, यह प्रस्तावित बदलावों के लागू होने पर निर्भर करेगा।

जीएसटी 2.0 का हिस्सा हैं क्या ये बदलाव?

ये प्रस्ताव सरकार के अगले

चरण के जीएसटी सुधारों से जुड़े हैं। सितंबर 2025 में दरों में बड़े बदलाव के बाद अब प्रशासन को आसान बनाने, अनुपालन को लागत घटाने और कार्रवाई को अधिक संतुलित बनाने पर ध्यान दिया जा रहा है।

प्रस्तावों में आसान पंजीकरण, तेजी से रिफंड, इनपुट टैक्स क्रेडिट की सरल प्रक्रिया, कारण बताओ नोटिस और जुमानों से जुड़े बलावालों की शामिल है। जीएसटी रिपरिच छोटे-से करदाताओं के लिए देर से रिटर्न दाखिल करने पर लगने वाले शुल्क में छूट और जुमानों को तर्कसंगत बनाने पर भी विचार कर सकती है। इसके अलावा, जन विश्वास (संशोधन) अधिनियम, 2026 के तहत दूसरे केंद्रीय कानूनों में अपराधों को गैर-आपराधिक बनाने की कोशिश भी इसी व्यापक दिशा का हिस्सा है।

जीएसटी लागू होने के समय, एक जुलाई 2017 को दूसरी बिल और कर चोरी पकड़ना मुश्किल था। रिटर्न में दर्ज हर बिल का दूसरे पक्ष के रिटर्न से मिलान करना आसान नहीं था। इसलिए गिफ्टकारी की शक्ति को डर धका करने वाले उपाय के रूप में शामिल किया गया था। अब व्यवस्था में विक्रेता की ओर से दर्ज जानकारी और खरीदार की ओर से दावा किए गए इनपुट टैक्स क्रेडिट से मिलान किया जाता है। इससे फिफ्टी क्रेडिट का पता शुरूआती स्तर पर लगाने और उसे आगे बढ़ने से रोकने में मदद मिलती है। सरकार अब इसी तकनीकी व्यवस्था के आधार पर मजबूत करने और टैक्स, ब्याज व जुर्माने के जरिये कार्रवाई करने पर जोर दे रही है।

सोना-चांदी के आयात पर मिल रही छूट खत्म करने की तैयारी

राज ठाकरे बोले- एसआईआर प्रक्रिया रद्द हो, हमारा किसी से व्यक्तिगत विरोध नहीं। महाराष्ट्र में SIR प्रक्रिया रद्द की जाए। हमारी मांग है कि महाराष्ट्र में की गई पूरी एसआईआर प्रक्रिया रद्द की जाए। कानून के मुताबिक, रक्त किसी आपात स्थिति में की जाती है। विधानसभा चुनाव के दौरान 40 से 60 लाख मतदाताओं के नाम जोड़े गए और इसके जरिए सत्ता हासिल की गई।

को कुछ जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है।

14 फरवरी, 2027 को होगा आगरा ताज हाफ मैराथन के चतुर्थ संस्करण का भव्य आयोजन

अपने सबसे बड़े खेल महाकुंभ के लिए एक बार फिर तैयार है ताजनगरी, हजारों धावक लगाएंगे दौड़

○ **टीएनएफ टुडे, आगरा।**

उठो.. जागो.. दौड़ो.. के नारे के साथ ताजनगरी एक बार फिर अपने सबसे बड़े खेल महाकुंभ के लिए तैयार है। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश देने के उद्देश्य से आगरा स्पोर्ट्स फाउंडेशन द्वारा एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल मैराथन एंड डिस्टेंस रेसेज के सहयोग से आगरा ताज हाफ मैराथन के चतुर्थ संस्करण का आयोजन 14 फरवरी, 2027 को किया जाएगा। मैराथन का शुभारंभ एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम, आगरा से होगा।

रविवार को फतेहाबाद रोड स्थित होटल ग्रेंड मक्यौर में आयोजन समिति द्वारा संगीत की मधुर धुनों के साथ एक स्क्रीन पर आगरा ताज

हॉफ मैराथन का रन विद लव लोगो प्रदर्शित कर मैराथन के चतुर्थ संस्करण की औपचारिक लॉन्चिंग की गई।

इससे पूर्व मुख्य अतिथि नेशनल लेवल गोल्ड मेडलिस्ट पिस्टल शूटर एवं कंसलटेंट यूरोलौजिस्ट डॉ. अरुण तिवारी, विशिष्ट अतिथि एसीपी अमित कुमार और खेलगाँव के निदेशक सिद्धार्थ गुप्ता ने दीप जलाकर लांचिंग इवेंट का शुभारम्भ किया। रोटेरियन आरती मेहरोत्रा और संकल्प वशिष्ठ ने संचालन किया।

एआईएमएस से प्रमाणित है आगरा की मैराथन

आगरा स्पोर्ट्स फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ. विकास मित्तल और



आयोजन समिति के अध्यक्ष महेश सारस्वत ने बताया कि आगरा के लिए यह गर्व का विषय है कि आगरा ताज हाफ मैराथन की सभी रেস श्रेणियाँ अक्टर द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित हैं। इससे आगरा का नाम वैश्विक मैराथन मानचित्र पर दर्ज हो गया है। अक्टर सर्टिफिकेशन के बाद अब यहाँ धावकों का रिकॉर्ड और समय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्य होगा और वे विश्व स्तरीय मैराथन के लिए क्वालीफाई भी कर सकेंगे। इससे शहर में फिटनेस, खेल

संस्कृति और पर्यटन को नया बढ़ावा मिलेगा।

ताज की धरोहर के बीच से गुजरेगा रूट

आगरा स्पोर्ट्स फेडरेशन के उपाध्यक्ष डॉ. संजय गुप्ता और

संदीप ढल ने बताया कि इस भव्य आयोजन में देश-विदेश से हजारों धावक हिस्सा लेंगे, जिसमें प्रोफेशनल एथलीट्स, फिटनेस प्रेमी, कॉर्पोरेट टीमों, छात्र-छात्राएँ और बड़ी संख्या में शहरवासी शामिल होंगे। मैराथन में तीन श्रेणियाँ – 21 किमी, 10 किमी और 5 किमी होंगी, जिनका रूट आगरा की ऐतिहासिक धरोहर और संस्कृति की झलक पेश करेगा।

आयोजन सचिव डॉ. दिनेश राठौर ने कहा कि वह नजारा अद्भुत होगा जब 'रन विद लव' की टैंगलाइन और 'रन फॉर समवन' तथा 'रन विद समवन' जैसे प्रेम भरे संदेशों के साथ धावक दौड़ रहे होंगे और सारी

दुनिया को प्रेम का संदेश देने वाली ऐतिहासिक इमारत ताजमहल रूट पर होगी। पंजीकरण शुरू, 05 वर्ष से अधिक किसी भी उम्र के लोग ले सकते हैं हिस्सा।

प्रोमो रस का होगा आयोजन

आयोजन समिति के संयुक्त सचिव गोपाल शर्मा एवं इवेंट कोऑर्डिनेटर संकल्प वशिष्ठ ने बताया कि मुख्य मैराथन से पूर्व तीन प्रोमो रस का आयोजन किया जाएगा, जिसका उद्देश्य नए धावकों को मानसिक रूप से तैयार करना है। 01 नवम्बर, 2026 को दयालबाग स्थित खेल गाँव से पहली प्रोमो रस सुबह 6:00 बजे शुरू होगी। मुख्य मैराथन के लिए पंजीकृत सभी प्रतिभागियों को प्रोमो रस से पूर्व टी-शर्ट प्रदान की जाएगी।

स्वास्थ्य जागरूकता के साथ सामाजिक संदेश भी

आगरा स्पोर्ट्स फेडरेशन के ट्रेजरर आवेग मित्तल ने बताया कि आयोजन के दौरान स्वास्थ्य जागरूकता, युवाओं व महिलाओं की सहभागिता जैसे सामाजिक संदेशों पर विशेष फोकस रहेगा। धावकों के लिए हाइड्रेशन प्वाइंट और मेडिकल सपोर्ट की पूरी व्यवस्था रहेगी। रूट पर सांस्कृतिक और उत्साहवर्धक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा।

इस दौरान डॉ. एन एस लोधी, डॉ. रचना अग्रवाल, डॉ. वर्षा गुप्ता, डॉ. सपना गोयल, जय यादव, परमजीत सिंह, सर्वेश कश्यप, गौरव गोयल भी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

निःशुल्क स्वास्थ्य एवं रक्तदान महाशिविर

स्वास्थ्य महाशिविर में उमड़ी भीड़, 482 मरीजों को मिला विशेषज्ञ चिकित्सकों का परामर्श

खंडेलवाल क्लब ने लगाया कृष्ण कुमार खंडेलवाल की स्मृति में निःशुल्क स्वास्थ्य एवं रक्तदान महाशिविर

○ **टीएनएफ टुडे, आगरा।**

पंचकुड़या स्थित खण्डेलवाल सेवा सदन पर खण्डेलवाल क्लब द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य, जाँच एवं रक्तदान महाशिविर का आयोजन किया गया। कृष्ण कुमार खंडेलवाल की स्मृति में आयोजित हुए शिविर का शुभारम्भ मुख्य अतिथि विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल और समर्पण सेवा समिति के अध्यक्ष योगेश कंसल ने दीप प्रवज्जलित कर किया।

जनरल फिजिशियन डॉ. सौरभ



यादव ने बताया कि इस मौसम में कमजोरी, बुखार, खांसी-जुकाम, ब्लड प्रेशर, शुगर तथा अन्य सामान्य स्वास्थ्य संबंधी शिकायतों वाले मरीज पहुंचे। मरीजों को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने, खान-पान पर नियंत्रण रखने, पर्याप्त

पानी पीने की सलाह दी। दंत चिकित्सक डॉ. पंखुड़ी अग्रवाल के पास दांतों में दर्द, मसूड़ों से खून आना, दांतों में सड़न, संवेदनशीलता और मुंह की स्वच्छता से जुड़ी शिकायतों वाले मरीज अधिक पहुंचे। लोगों को दिन में दो बार ब्रश

करने, बहुत अधिक मीठे और चिपचिपे खाद्य पदार्थों से बचने तथा समय-समय पर दांतों की जांच कराने की सलाह दी। फिजियोथेरपिस्ट डॉ. सतीश दयाल ने बताया कि उनके पास कमर, गर्दन, कंधे, घुटनों और जोड़ों में दर्द तथा मांसपेशियों में खिंचाव की शिकायत लेकर मरीज पहुंचे। उन्होंने मरीजों को नियमित हल्का व्यायाम, सही पोस्चर बनाए रखने और लंबे समय तक एक ही स्थिति में बैठने से बचने की सलाह दी।

अध्यक्ष महेंद्र खण्डेलवाल व सचिव धीरज खण्डेलवाल ने बताया कि समर्पण चैरिटेबल ट्रॉमा हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित शिविर में जनरल फिजिशियन डॉ. सौरभ यादव, दंत चिकित्सक डॉ.

पंखुड़ी अग्रवाल और फिजियोथेरपिस्ट डॉ. सतीश दयाल ने मरीजों को परामर्श दिया। करीब 482 मरीजों ने परामर्श लिया और 115 मरीजों ने कोलेस्ट्रॉल, थायराइड, मधुमेह जैसी स्वास्थ्य जांच कराई।

रक्तदान शिविर में करीब 102 यूनिट रक्त संचय किया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक घनश्याम खंडेलवाल, राजीव खंडेलवाल, राजकिशोर खंडेलवाल, राकेश खंडेलवाल, कालूराम खण्डेलवाल, अनुज खण्डेलवाल, रमेशचंद सर्राफ, प्यारेलाल खंडेलवाल, श्याम मोहन खंडेलवाल, अजय खंडेलवाल, कौशल खंडेलवाल, सीए भानु खंडेलवाल आदि मौजूद रहे।



प्रतिस्पर्धा की भावना को मजबूत करते हैं। ऐसे स्थानीय आयोजनों से प्रतिभाओं को अपनी क्षमता का प्रदर्शन करने का बेहतर मंच मिलता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्खेलो इंडियाह्ख विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि ह्खखेलो इंडिया, खेलोह्ख के आह्खान से पूरे देश में खेलों के प्रति एक नई ऊर्जा और

वातावरण तैयार हुआ है।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने सफल आयोजन के लिए डिस्ट्रिक्ट रोलर स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि नारंग, मुख्य सचिव गगन मदान एवं उनकी पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खिलाड़ियों को निरंतर कड़ी मेहनत कर आगरा और देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

अमृतपुरी मधु नगर जैन मंदिर में गूंजा क्षमावाणी का संदेश

○ **टीएनएफ टुडे, आगरा।**

अमृतपुरी मधु नगर स्थित श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में रविवार, 4 अक्टूबर 2026 को कलशाभिषेक एवं क्षमावाणी पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ घूमधाम से मनाया गया। पर्व के अवसर पर मंदिर परिसर धार्मिक वातावरण से सराबोर रहा। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लिया और एक-दूसरे से क्षमा मांगकर आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे का संदेश दिया।

कार्यक्रम में मंदिर के ट्रस्टी मुन्नालाल जैन, संरक्षक ओमप्रकाश



जैन वरैया, समिति अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद जैन, महामंत्री धर्मेन्द्र कुमार जैन, उपमंत्री राहुल जैन, सांस्कृतिक मंत्री जितेंद्र जैन तथा प्रचार मंत्री राहुल जैन 'साड़ी' सहित

समाज के अन्य पदाधिकारी एवं श्रद्धालु मौजूद रहे। कलशाभिषेक के धार्मिक आयोजन में समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिला वर्ग की भी कार्यक्रम में

विशेष सहभागिता रही। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर धार्मिक अनुष्ठान में हिस्सा लिया और भगवान पारसनाथ के प्रति अपनी श्रद्धा

व्यक्त की।

क्षमावाणी पर्व जैन समाज में आत्मशुद्धि, क्षमा और आपसी सौहार्द का महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। इस अवसर पर लोगों ने जाने-अनजाने में हुई गलतियों के लिए एक-दूसरे से क्षमा मांगी और भविष्य में प्रेम एवं सद्भाव के साथ रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं ने कहा कि क्षमावाणी पर्व मनुष्य को अपनी भूलों पर आत्ममंथन करने और दूसरों के प्रति मन में किसी प्रकार का वैर न रखने की प्रेरणा देता है। पर्व का मूल संदेश आपसी कटुता को समाप्त कर प्रेम, शांति और भाईचारे को बढ़ावा देना है।

धार्मिक कार्यक्रम संपन्न होने के बाद समाज की ओर से वात्सल्य भोज की व्यवस्था की गई। इसमें श्रद्धालुओं और समाज के लोगों ने सामूहिक रूप से प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन के दौरान समाज के लोगों में आपसी मेलजोल और भाईचारे की भावना देखने को मिली।

कार्यक्रम में संजय, बाँबी, राकेश, विशाल सहित अन्य समाजबंधु एवं महिला वर्ग के सदस्यों ने भी सहभागिता की। आयोजकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं और समाज के लोगों का आभार व्यक्त किया।

होई सोई जो राम रचि राखा, को कहीं तर्क बढ़ावे शाखा ।

○ **टीएनएफ टुडे, आगरा।**

रामचरितमानस के बालकांड की चौपाई को सुनाते हुए व्यास पीठ सेश्री महाराज राकेश जी ने बताया कि व्यर्थ के तर्क वितर्क करके अपनी पेशानियों को ना बड़ाएँ ,क्योंकि इस जगत में होता वही है जो प्रभु श्री राम ने पहले से ही तय कर रखा है अर्थात ईश्वर की इच्छा सर्वोपरि है सेक्टर 7 के बड़े पार्क में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के तृतीय दिवस पर व्यास जी महाराज ने भक्तों को समझाया कि संसार में जीव अकेला आता है और ना ही साथ कुछ लेकर आता है।

इसी प्रकार देह को त्यागते वक्त भी वह कुछ साथ लेकर नहीं जाता



यहां तक की यह पंचतत्व का शरीर भी यहीं भस्मीभूत हो जाता हैऔर यदि साथ जाते हैं तो सिर्फ मनुष्य के सत्कर्म ।और प्रभु का भागवद्नाम। जो इस कलयुग में मायावी संसार से मुक्ति दिलाने का कार्य करते हैं।

आत्मा कभी मृत्यु को प्राप्त नहीं होती और भगवान के भक्त को कभी मृत्यु स्पर्श भी नहीं कर सकती।

कल चतुर्थ दिवस की कथा में प्रभु श्री राम के अवतार की लीला व भगवान वामन के अवतार के दर्शन होंगे।

इस अवसर पर मुख्य यजमान सपलीक रविंद्र सिंह, जीतू रावत, ज्ञानेंद्र सिंह, लक्ष्मी बंसल, व समाज सेविका प्रतिभा जिंदल ने मुख्य आरती उतारी।

○ **टीएनएफ टुडे, आगरा।**

दिल्ली में 3 अक्टूबर 2026 को आयोजित परिवर्तन योगेश की 38वीं सुदर्शन सभा में आगरा के पत्रकार विष्णु सिकरवार को पत्रकारिता के क्षेत्र में योगदान के लिए ह्खविद्या वाचस्पति (पीएचडी समकक्ष)ह्ख मानद सम्मान प्रदान किया गया।

महर्षि सत्य सनातन हिन्दी विद्यापीठ के माध्यम से आयोजित सम्मान समारोह में देशभर से चर्चनित 33 महानुभावों को विद्या वाचस्पति की मानद उपाधि प्रदान की गई। इनमें आगरा के विष्णु सिकरवार भी शामिल रहे।

कार्यक्रम में परिवर्तन योगेश के



राष्ट्रीय अध्यक्ष सद्गृहस्थ संत डॉ. हरीश मिश्र, संस्थापक डॉ. योगेश तरेहन, महर्षि सत्य सनातन अखाड़ा के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर निरंकार नंद महाराज, तबला वादक एवं ज्योतिषाचार्य डॉ. प्रशांत मनोहर गायकवाड तथा महर्षि सत्य सनातन हिन्दी विद्यापीठ के कुलपति डॉ. रविकुमार द्विवेदी सहित अन्य अतिथि

मौजूद रहे। समारोह में तीन विद्वानों को विद्या सागर तथा 33 लोगों को विद्या वाचस्पति मानद सम्मान प्रदान किया गया। इसके अलावा प्रसिद्ध नृत्यांगना कल्पना शर्मा को कला शिरोमणि सम्मान और तबला वादक एवं ज्योतिषाचार्य डॉ. प्रशांत मनोहर गायकवाड को सनातन गौरव सम्मान प्रदान किया गया।

भगत सिंह के बलिदान को जीवन में उतारना ही सच्ची श्रद्धांजलि

वीर महापुरुष सम्मान समिति ने शहीद भगत सिंह के जन्मोत्सव पर आयोजित की संगोष्ठी

○ **टीएनएफ टुडे, आगरा।**

वीर महापुरुष सम्मान समिति की ओर से अमर शहीद भगत सिंह की जन्मजयंती के अवसर पर आवास विकास कॉलोनी सेक्टर चार स्थित शिवम इन होटल में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा

नेता नीरज गुप्ता ने कहा कि शहीद भगत सिंह ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व खोछाकर दिया। उनका बलिदान युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। भगत सिंह ने देशवासियों में राष्ट्रभक्ति और मातृभूमि के लिए त्याग की भावना जागृत की। उनका जीवन



हमें देशहित में सदैव आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

मुख्य वक्ता विधायक पुरुषोत्तम खण्डेलवाल ने कहा कि भगत सिंह का साहस, त्याग और देशप्रेम आज भी युवाओं के लिए आदर्श है। उनके विचारों को अपने जीवन में उतारना चाहिए। मंच संचालन अध्यक्ष संजय

सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

संयोजक यश राजावत और कार्यक्रम अध्यक्ष सुशील चौहान ने बताया कि शहीदों के बलिदान को केवल स्मरण करने तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारना चाहिए। मंच संचालन अध्यक्ष संजय

सिसोदिया ने किया। इस अवसर पर पार्षद प्रवीणा राजावत, अविनाश राणा, लोकेश राजपूत, राजा पण्डित, गोपाल शर्मा, अखण्ड प्रताप सिंह, सौरभ ठाकुर, सचिन यादव, दीपेश अग्रवाल, चौधरी अरुण सिंह, धर्मेन्द्र सिंह राजावत, नैतिक आदि मौजूद रहे।

‘वोट चोर’ विवाद में कांग्रेसियों की जेल से रिहाई, स्वागत जुलूस में पुलिस से तकरार

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विजय नगर स्थित पेतुक आवास पर कालिख पोतने के मामले में जेल भेजे गए छह कांग्रेसियों की रविवार को रिहाई हो गई। जिला जेल से बाहर आते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया और जुलूस निकालकर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। जुलूस के दौरान नारेबाजी को लेकर पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच कई बार तकरार की स्थिति बनी। कुछ देर के लिए बहस और धक्का-मुक्की जैसे हालात भी नजर आए। रविवार सुबह कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या जिला जेल के बाहर जुटी थी। जैसे ही छह अभियुक्त जेल से बाहर आए, कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत किया। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता जुलूस के रूप में आगे बढ़े। जुलूस में लगातार नारेबाजी



होती रही और पुलिस बल भी मौके पर तैनात रहा। पुलिस ने जुलूस को नियंत्रित रखने और किसी तरह की अप्रिय स्थिति रोकने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को समझाने का प्रयास किया। इसी दौरान नारेबाजी को लेकर पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते माहौल गर्म हो गया और कुछ समय के लिए पुलिस तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच तकरार और धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। पुलिस अधिकारियों ने हस्तक्षेप

कर स्थिति को संभाला और कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने दिया।शनिवार को मामले की सुनवाई सीजेएम अदालत में हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने धारा 307 के आरोप को निराधार मानते हुए उसे हटाने का आदेश दिया। इसके बाद सभी छह अभियुक्तों की जमानत मंजूर कर दी गई। अदालत से जमानत मिलने के बाद रविवार को छहों कांग्रेसियों की जिला जेल से रिहाई हुई। जेल से बाहर आते ही समर्थकों ने उनका स्वागत किया और जुलूस निकालकर शहीद स्मारक तक

पहुंचे।

कांग्रेस नेताओं की रिहाई के बाद समर्थकों में उत्साह नजर आया। कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए जुलूस के साथ आगे बढ़े। वहीं, पुलिस ने पूरे रास्ते सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी और स्थिति पर नजर रखी। नारेबाजी के बीच पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हुई तकरार ने कुछ समय के लिए माहौल तनावपूर्ण कर दिया।

पुलिस अधिकारियों ने कार्यकर्ताओं को समझाकर स्थिति को सामान्य कराया। इसके बाद जुलूस शहीद स्मारक की ओर बढ़ गया। पूरे घटनाक्रम के दौरान पुलिस बल तैनात रहा। यह मामला मुख्य चुनाव आयुक्त के पेतुक आवास पर हुए प्रदर्शन और कालिख पोतने की घटना से जुड़ा है। अदालत द्वारा धारा 307 हटाए जाने और छह कांग्रेसियों को जमानत मिलने के बाद उनकी रिहाई ने मामले को एक बार फिर राजनीतिक रूप से चर्चा में ला दिया है।

11 किलो चरस के साथ दो युवक गिरफ्तार

आगरा। कमला नगर थाना पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों युवक बाहर से चरस की खेप लेकर आगरा में सप्लाई करने पहुंचे थे। पुलिस ने उनके कब्जे से करीब 11 किलो चरस बरामद होने की जानकारी दी है। बरामद चरस की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। पुलिस की कार्रवाई वाटर वर्क्स के पास की गई, जहां सदिग्ध गतिविधियों की सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों युवकों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से मादक पदार्थ बरामद होने की बात सामने आई है। पुलिस दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ कर रही है। शुरुआती जानकारी के आधार पर पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि चरस की खेप कहां से लाई गई थी और इसे आगरा में किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस अब पूरे सप्लाई नेटवर्क की जानकारी जुटाने में लगी है। पूछताछ के जरिए यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। साथ ही मादक पदार्थ की खेप उपलब्ध कराने वाले स्रोत और संभावित खरीदारों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस बरामद चरस की मात्रा और उसकी कीमत से संबंधित जानकारी को भी दस्तावेजों में दर्ज कर रही है। मामले में आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई की जा रही है।

उत्तर मध्य रेलवे कर्मचारी संघ की नई कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

- सदस्यता अभियान और मंडल में नई शाखाओं के गठन पर बनी रणनीति
- मण्डल अधिवेशन की सफलता पर पारित हुआ धन्यवाद प्रस्ताव

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

उत्तर मध्य रेलवे कर्मचारी संघ आगरा की नई कार्यकारिणी की बैठक रविवार, 04 अक्टूबर 2026 को कैंप कार्यालय में सफलतापूर्वक आहूत की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता आर.के. गौतम ने की, जबकि कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय संयुक्त मंत्री बंशी बदन झा ने विशेष रूप से शिरकत की, और संचालन मंडल मंत्री उमाशंकर भारद्वाज द्वारा किया गया। बैठक के दौरान रेलवे कर्मचारियों के हितों और संगठन के विस्तार से जुड़े कई अहम मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। इसमें



गत 27 सितंबर को आयोजित हुए मंडल अधिवेशन के भव्य एवं सफल आयोजन के लिए धन्यवाद प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। साथ ही, संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए सदस्यता अभियान के तहत नए सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया और उन्हें सदस्यता ग्रहण कराई गई। बैठक में आगरा छावनी रेलवे स्टेशन, मंडल प्रबंधक कार्यालय तथा लोकोपायलट लॉबी पर संघ के फ्लैक्सों और बैनर लगाने के संबंध में रूपरेखा तैयार की गई, और कार्यकर्ताओं के वाहनों पर

यूनियन का लोगो लगाने तथा मंडल के अंतर्गत नई शाखाओं के गठन को लेकर भी विशेष चर्चा हुई। इस बैठक में मंडल कोषाध्यक्ष उदय सिंह मीणा, मंडल उपाध्यक्ष कोमल सिंह, मंडल संगठन मंत्री राजेश कुमार शर्मा, संयुक्त मंडल मंत्री अभिषेक, डी.के. खन्ना, डी.के. शर्मा, योगेंद्र सिंह, श्रवण सिंह नरूका, अतुल भारद्वाज और नितिन शर्मा समेत कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक का समापन ‘वंदे मातरम’ और ‘भारत माता की जय’ के उद्घोष के साथ हुआ।

एटा-कासगंज रेल लाइन शीघ्र पूरी हो

एटा-आगरा फोर्ट ट्रेन का मथुरा तक विस्तार हो : विश्वकान्त मिश्रा

प्रतिनिधि मंडल ने केन्द्रीय राज्य मंत्री एस.पी. सिंह बघेल को ज्ञापन सौंपकर उठाई प्रमुख रेल मांगों

एत्मादपुर आगरा/एटा। भारतीय किसान यूनियन (स्वतंत्र) के राष्ट्रीय प्रवक्ता विश्वकान्त मिश्रा ने क्षेत्र की रेल सुविधाओं एवं जनहित से जुड़ी मांगों को लेकर केन्द्रीय राज्य मंत्री एस.पी. सिंह बघेल को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में एटाझकासगंज रेल लाइन का निर्माण शीघ्र पूरा कराने, भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसानों को लंबित मुआवजा दिलाने तथा



परियोजना की निश्चित समय-सीमा घोषित करने की मांग की गई। विश्वकान्त मिश्रा ने कहा कि वर्ष

2017 में स्वीकृत लगभग 29 किलोमीटर लंबी रेल परियोजना अभी तक पूरी नहीं हो सकी है,

शॉर्ट सर्किट से सचिवालय में लगी आग

फतेहाबाद। विकासखंड फतेहाबाद के गांव कृपालपुरा में शॉर्ट सर्किट से सचिवालय में आग लग गई।जानकारी पर पहुंचे ग्रामीणों ने आधा घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।लेकिन तब तक सचिवालय में रखा सामान जलकर राख हो गया।

ग्राम पंचायत पलिया कृपाल के प्रधान बंटी कुशवाह ने बताया कि कृपालपुरा में सचिवालय बना हुआ है। शनिवार की रात्रि 9:30 बजे के करीब शॉर्ट सर्किट के चलते पंचायत घर में आग लग गई तभी आग लगने की सूचना पर बड़ी संख्या में ग्रामीण व पंचायत सहायक आकाश कुमार मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से करीब आधे घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका लेकिन तब तक सचिवालय में रखा कंप्यूटर, प्रिंटर,एलईडी, कैमरा की डीबीआर तथा टेबल कुर्सी जलकर राख हो गई।



○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

मंडल रेल प्रबंधक, आगरा गगन गोयल के मार्गदर्शन में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित रेलवे को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आगरा मंडल में वर्ष 2026 के वृक्षारोपण अभियान के तहत व्यापक स्तर पर पौधारोपण किया जा रहा है। मई से सितंबर 2026 तक आगरा मंडल में कुल 22,12,367 पौधों का रोपण किया जा चुका है।

आगरा मंडल के लिए वर्ष 2026 में 25 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके सापेक्ष अब तक 22,12,367 पौधे लगाए जा चुके हैं, जो निर्धारित लक्ष्य का 88.49 प्रतिशत है। लक्ष्य की तुलना में अब 2,87,633 पौधों का रोपण शेष है।

माहवार पौधारोपण जिसमें- मई 2026 में 4,338 पौधे, जून 2026 में 20,435 पौधे,जुलाई 2026 में

- आगरा मंडल में 495 हेक्टेयर रेलवे भूमि को हरित क्षेत्र में किया जा रहा विकसित

2,22,314 पौधे, अगस्त 2026 में 9,29,407 पौधे व

सितंबर 2026 में 10,35,873 पौधे, कुल झ 22,12,367 पौधों का रोपण किया गया है '

वही सितंबर माह में ही आगरा मंडल में 10,35,873 ,पौधों का रोपण किया गया जिससे निर्धारित वार्षिक लक्ष्य की दिशा में अभियान को महत्वपूर्ण गति मिली है।

आगरा मंडल में रेलवे भूमि, रेल पटरियों के किनारे तथा रेलवे परिसरों में उपलब्ध खाली एवं उपयुक्त स्थानों पर पौधारोपण किया जा रहा है। अब तक मंडल में लगभग 495 हेक्टेयर भूमि पर वृक्षारोपण किया गया है।

आगरा कैट क्षेत्र में 1,20,627 पौधों का रोपण कर 27 हेक्टेयर क्षेत्र को हरित क्षेत्र के रूप में विकसित किया गया है।

वृक्षारोपण के साथ-साथ लगाए गए पौधों की देखभाल एवं संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। संबंधित स्थलों का नियमित निरीक्षण कर पौधों की स्थिति की निगरानी की जा रही है, ताकि उनका समुचित संरक्षण एवं बेहतर विकास सुनिश्चित किया जा सके।

उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह द्वारा इस वित्त वर्ष में 2 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए उत्तर मध्य रेलवे के तीनों मंडलों द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उत्तर मध्य रेलवे द्वारा इस वर्ष 1 करोड़ पौधों के रोपण का महत्वपूर्ण पड़ाव शीघ्र प्राप्त करने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

गौशालाओं को बनाएं आत्मनिर्भर

गोबर से कंपोस्ट और गो-दूधक तैयार कराएं: धर्मपाल सिंह

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

- 1 सप्ताह में हाईवे व खेतों से पकड़े जाएं निराश्रित गोवंश, गोबर भूमि पर उंगेगा हरा चारा

प्राथमिकता है। उन्होंने सभी बीडीओ, ईओ और पशुधन कल्याण अधिकारियों को निर्देश दिया कि एक सप्ताह के भीतर नेशनल हाईवे, स्टेट हाईवे, सड़कों और खेतों में घूम रहे समस्त निराश्रित गोवंश को पकड़वाकर गो आश्रय स्थलों में संरक्षित किया जाए। इसके साथ ही राजस्व विभाग के सहयोग से गोचर भूमियों को तत्काल कब्जा मुक्त कराकर वहां बीडीओ के माध्यम से हरा चारा उगाने के आदेश दिए। हरा चारा



आपूर्ति के लिए स्थानीय निकायों और ग्राम पंचायतों को तीन दिन के भीतर 4-5 स्थानीय किसानों के साथ अनुबंध (टंडव) करने के निर्देश दिए गए।

500 ग्राम गुणवत्तापूर्ण पशु आहार और 10 किलो हरा चारा तय

मंत्री धर्मपाल सिंह ने गौशालाओं में संरक्षित प्रत्येक गोवंश के लिए

प्रतिदिन 10 किलो हरा चारा और 500 ग्राम इन्फ्र मार्का (2052-23) वाला ब्रांडेड पशु आहार देना अनिवार्य किया है। उन्होंने निर्देश दिए कि पशु आहार पर उत्पादन व अंतिम तिथि स्पष्ट लिखी होनी चाहिए। इसके अलावा, गौशालाओं में संपर्क मार्ग, नाली, बाउंड्रीवाल, अतिरिक्त शेड, खड़ंजा व चरही निर्माण के कार्य विधायक निधि,

क्षेत्र पंचायत निधि या 'बीबी-जी-राम जी' जैसी योजनाओं से तत्काल पूर्ण कराए जाएं।

गोबर से आत्मनिर्भर बनेंगी गौशालाएं, किसानों को सस्ती मिलेगी कंपोस्ट गौशालाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के लिए गोबर से कंपोस्ट खाद, दीपक और गो-काष्ठ बनाने के निर्देश दिए गए हैं। गोबर की कंपोस्ट खाद को 20-20 किलो के पैकेट में पैक कर किसानों को कम दाम में उपलब्ध कराया जाएगा। आगामी दीपावली त्योहार के दिष्टिगत अधिक से अधिक गो-दीपक तैयार करने के आदेश भी दिए गए।

नस्ल सुधार और शत-प्रतिशत

टीकाकरण पर जोर

मंत्री ने संचारी रोगों, लंपी स्किन डिजीज, एफएमडी (ऋऊ) और एचएएस (लू) जैसी बीमारियों के शत-प्रतिशत टीकाकरण, पशु बीमा, नर गोवंश के बधियाकरण तथा सीमन की गुणवत्ता पर ध्यान देकर नस्ल सुधार कार्यक्रम को गति देने के निर्देश दिए। साथ ही गौशालाओं में एनजीओ (ठक्कड़) के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में अपर निदेशक (ग्रेड-2) डॉ. देवेंद्र पाल सिंह, सीवीओ आगरा डॉ. डी.के. पांडेय, सीवीओ फिरोजाबाद डॉ. सोमेश गुप्ता तथा प्रभारी सीवीओ मैनपुरी डॉ. सऊद हसन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

जनहित सामाजिक सेवा संस्थान एवं फ्लाई इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में फतेहाबाद रोड स्थित एक प्रतिष्ठित होटल में 'ग्रेंड डांडिया नाइट्स' का भव्य आयोजन किया गया। डांडिया की धुनों पर देर रात तक शहरवासी जमकर थिरके और कार्यक्रम का आनंद लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों डॉ. हेमेंद्र पाठक, ऋषि कुमार और डॉ. रजनीश त्यागी ने मां दुर्गा की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया। इसके बाद रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और डांडिया नृत्य की शुरुआत हुई।

विभिन्न श्रेणियों में दिए गए आकर्षक उपहार

आयोजन से संस्था अध्यक्ष सरिता तिवारी, शुभम तिवारी, विख्यात त्रिपाठी, गीता शुक्ला, गुंजन शर्मा, मोनिका त्यागी, अनिल मंगोलिया, अवनीश गुप्ता, रचना पाठक, त्रयंबकेश्वर नाथ त्यागी, युविका शर्मा तथा कविता रजवानी सहित कई गणमान्य लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

 सम्पादकीय
संतों की निष्ठा पर सवाल और सोशल मीडिया का शोर: वृंदावन आश्रम की घटना का सच आज के इस अति-संवेदनशील और सूचनाओं की आंधी में दौड़ते समाज का एक सबसे बड़ा विचलित करने वाला सच यह है कि लोग अब किसी भी घटना की सत्यता की गहराई में जाने के बजाय तड़ित रफ़्तार से उंगली उठाने और चरित्रहनन करने को अपनी पहली प्राथमिकता बना चुके हैं। हाल ही में वृंदावन के प्रसिद्ध संत श्री प्रेमानंद महाराज जी के गुरु कृपा कुंज आश्रम से जुड़ी एक दुखद घटना को लेकर सोशल मीडिया और मुख्यधारा के एक वर्ग में जिस प्रकार का भ्रामक और सनसनीखेज माहौल बनाया गया, वह हमारी विकृत होती मानसिकता का जीता-जागता प्रमाण है। जो लोग कल तक महाराज जी के एक दर्शन के लिए व्याकुल रहते थे और उनके प्रवचन में आत्मिक शांति तलाशते थे, वे आज एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसे को अंधाकर बनाकर सीधे संत की प्रतिष्ठा और उनके आश्रम पर अनर्गल प्रश्नचिह्न खड़े करने लगे हैं। घटना वृंदावन के उसी आश्रम की है जहाँ मध्य प्रदेश के जबलपुर से आए एक युवा शिष्य (दीपक लोधो जिन्हें रसिक दुलारी शरण के नाम से दीक्षा प्राप्त थी) ने किन्हीं असहनीय मानसिक या व्यक्तिगत कारणों के चलते चौथी मंजिल से कूदकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस प्रशासन और फॉरेंसिक टीमों इस पूरे मामले की गहन वैज्ञानिक जांच कर रही हैं तथा सीसीटीवी फुटेज से लेकर हर पहलू को खंगाल रही हैं। किंतु विडंबना यह है कि पुलिस की जांच पूरी होने से पहले ही सोशल मीडिया के तथाकथित विचारकों और ट्वोलर्स ने इसे एक तमाशा बना डाला। जिस संत ने अपना पूरा शरीर और जीवन राधा नाम के स्मरण तथा समाज को सही दिशा देने में होम कर दिया, उन्हें कटघरे में खड़ा करने का ऐसा गंदा खेल खेला गया जो मानवीय संवेदनाओं का पतन दिखाता है। तथापि, इस प्रकार की ओछी और अवसरवादी प्रवृत्तियों से किसी उच्च कोटि के संत के तप पर कोई आंच नहीं आ सकती। यह समाज का दोहरा चरित्र ही है जो किसी व्यक्ति की बरसों की साधना को एक सेकंड में तार-तार करने के लिए आमादा रहता है, यह बिना सोचे कि एक आध्यात्मिक संस्था का किसी व्यक्तिगत या मानसिक घटना से क्या संबंध हो सकता है। संतों का दरबार कोई कारागार नहीं होता बल्कि वह शरणस्थली है जहाँ हर कोई अपनी इच्छा से आता है। आवश्यकता इस बात की है कि समाज इस भेड़चाल और कुंठा भरी मानसिकता से बाहर निकले। किसी भी घटना पर तुरंत कयास लगाने या पूर्वाग्रह से ग्रसित होने के बजाय कानून और निष्पक्ष जांच पर भरोसा रखना चाहिए। संतों और धर्मगुरुओं की गरिमा पर इस तरह कीचड़ उछालने की प्रवृत्ति न केवल हमारी संस्कृति के खिलाफ है, बल्कि यह उस बौद्धिक दिवालियापन को भी दर्शाती है जहाँ लोग संवेदना खो चुके हैं और तमाशा देखना चाहते हैं।

अनसुने प्रसंग– क्षेपक कथा

जब द्रौपदी के एक छोटे से प्रश्न पर भगवान श्रीकृष्ण को रोकनी पड़ी थी अपनी द्वा्रका की यात्रा

महाभारत ग्रंथ भारतीय सनातन संस्कृति का वह महाग्रंथ है जिसमें धर्म, कर्म, राजनीति और भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं के ऐसे-ऐसे अछूते और गहरे प्रसंग छिपे हैं, जो आम जनमानस के बीच बहुत कम सुने गए हैं। इस ग्रंथ के मुख्य कथा-प्रवाह से द्तर कुछ ऐसे सूक्ष्म और दार्शनिक लोक-प्रसंग भी प्रवाहित होते हैं जो मानव जीवन के सबसे बड़े रहस्यों को उजागर करते हैं। ऐसा ही एक अत्यंत मर्मस्पर्शी और अनसुना प्रसंग हस्तिनापुर के राजमहल से जुड़ा है, जब पाण्डवों के वनवास के समय भगवान श्रीकृष्ण अचानक हस्तिनापुर से द्वारका लौटने की अपनी यात्रा बीच में ही रोककर वापस लौट आए थे।

घटना कौरवों की सभा और महाभारत युद्ध से कुछ वर्ष पूर्व की है जब पांडव अपना सर्वस्व जुग में हारकर दौपदी के साथ वनवास की कठिनाइयों से जुझ रहे थे। भगवान श्रीकृष्ण जब भी समय पाते थे, वन में जाकर पांडवों और विशेषकर द्रौपदी की सुध लेते थे। एक बार जब श्रीकृष्ण द्वारका लौटने के लिए अपने रथ पर सवार होने लगे, तो महारानी द्रौपदी उनके पास आईं। द्रौपदी की आँखों में आँसू थे और उनके मन में एक ऐसा गंभीर तथा बुभुता हुआ प्रश्न था, जो उन्होंने आज तक किसी से नहीं पूछा था। प्रसंग के अनुसार, द्रौपदी ने अत्यंत करुण किंतु दृढ़ स्वर में श्रीकृष्ण से कहा– ‘रहे द्वा्रकाधीश, आप इस सृष्टि के रचामी हैं, त्रैलोक्य के नाथ हैं और हम पांवों पांडव आपके अनन्य भक्त तथा सखा हैं। फिर ऐसा क्यों है कि जब भी हमारे जीवन में कोई विकट संकट आया, चाहे वह भरी सभा में चौरहरण का अपमान हो या बारह वर्ष का अज्ञातवास, आपने हमारी रक्षा तब तक नहीं की जब तक हम पूरी तरह अपमानित और असहाय नहीं हो गए? क्या आपको हमारे दुखों का अंत पहले करने में कोई संकोच होता है? द्रौपदी के उस प्रश्न में एक भक्त की वह वेदना छिपी थी जो ईश्वर के न्याय और समय पर सवाल उठाती है। भगवान श्रीकृष्ण ने रथ की लगाम को थामा, रथ से नीचे उतरें और मुस्कुराते हुए द्रौपदी के पास आए। उन्होंने अत्यंत शांत और प्रेमापूर्ण भाव से उत्तर देते हुए जो रहस्य खोला, वह महाभारत के सबसे गहरे रहस्यों में से एक है। श्रीकृष्ण ने कहा– ‘रहे पांचाली, कर्म का यह विधान बहुत सूक्ष्म और कठोर होता है। जब तक कोई व्यक्ति अपने अहंकार, अपने बल या अन्य विकल्पों के भरोसे जीता रहता है, तब तक ईश्वर हस्तक्षेप नहीं करते क्योंकि वह मनुष्य की स्वतंत्रता का सम्मान करते हैं। जिस क्षण द्रौपदी ने भरी सभा में अपने पतियों या अपने बल की आस छोड़कर दोनों हाथ ऊपर उठाकर पूरी तरह मुकुल पर सब कुछ छोड़ दिया, उसी क्षण मेरा चक्र चल पड़ा। ईश्वर देरी नहीं करते, वे केवल मनुष्य के पूर्ण समर्पण की प्रतीक्षा करते हैं।र यह सुनकर द्रौपदी निस्तब्ध रह गई। उन्हें यह समझ आ गया कि सहायता में देशी भगवान की उदासीलता नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर के अहंकार को गलाकर उसे पूर्ण रूप से ईश्वर-मुख बनाने की एक दिव्य प्रक्रिया होती है।

 सितारों की चाल: आपका भविष्यफल
कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज से करें!
 शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल आज मेष मिथुन सिंह तुला वृश्चिक और कुंभ राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। मंगलवार का दिन संकटमोचन हनुमान जी तथा मंगल ग्रह की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन हनुमान जी को सिंदूर और चोला अर्पित करने तथा सुंदरकांड का पाठ करने से जीवन के सभी कष्ट दूर होते हैं और शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है।

खेलो इंडिया खेलो: धरातल से वैश्विक परिदृश्य तक

○ डॉ. दीपक गोरसामी

भारत के खेल की कहानी अब केवल पदकों की गिनती नहीं है। यह उस देश की कहानी है जो खेल को कभी पढ़ाई के बाद बचा समय मानता था, फिर उसे रोजगार का रास्ता समझने लगा और अब उसे राष्ट्रीय आत्मविश्वास, अनुशासन और वैश्विक पहचान का माध्यम मान रहा है। टोक्यो से हांगझोंग और नागोया तक भारतीय खेल ने कई उत्साहजनक पड़ाव देखे हैं। कभी ओलंपिक पदक का इंजागर चर्चा का विषय था, आज एशियाई और वैश्विक मंच पर भारतीय खिलाड़ी लगातार अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। लेकिन इसी प्रगति के बीच एक सवाल अधिक महत्वपूर्ण होता जा रहा है—क्या हमारी खेल व्यवस्था उतनी ही मजबूत हुई है, जितनी हमारी प्रतिभा?

भारत में एक डिजिटल भारत है और दूसरा मैदान का भारत। पहला खेल को स्क्रीन पर देखता है, दूसरा उसे शरीर से जीता है। आज युवा के पास प्रशिक्षण की जानकारी, आधुनिक उपकरण, पोषण और खेल विज्ञान तक पहले से कहीं अधिक पहुँच है। यह परिवर्तन जरूरी है, लेकिन खेल की बुनियाद अब भी वही है—अभ्यास, अनुशासन और वर्षों तक टिके रहने की क्षमता। महीने जूते खिलाड़ी नहीं बनाते। तकनीक रास्ता दिखा सकती है, लेकिन उस रास्ते पर रोज चलना खिलाड़ी को ही पड़ता है। खेल का असली निर्माण वहीं होता है जहाँ सुबह का अँधेरा, पसीना, चोट, हार और फिर मैदान में लौटने की जिद होती है। नीरज चोपड़ा से अमन सहरावत तक और नई पीढ़ी की कुमकुम मोहोड़ से प्रनवी उर्स तक, भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धियाँ यही बताती हैं कि प्रतिभा किसी महानगर की संपत्ति नहीं है। वह गाँव, कस्बे, विद्यालय और छोटे मैदानों में भी उतनी ही ताकत से जन्म लेती है।

लेकिन इस बदलती तस्वीर का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष भारतीय बेटियों का उभार है। लड़का खेल में उतरता है तो अक्सर सवाल होता है—कितना अच्छा खेलता है? लड़की उतरती है तो सवाल कई बार

○ बृज खंडेलवाल द्वारा

आप अगर ऐसे शहर में जाएँ जहाँ साइकिलें, कार या अन्य वाहन यात्रियों से ज्यादा ताकतवर हों, तो क्या होगा? आप एम्स्टर्डम पहुँच जायेंगे। यहाँ साइकिलों में नेताओं जैसा आत्मविश्वास, एक्सप्रेस ट्रेन जैसी रफ्तार और राजाओं जैसा रास्ते पर अधिकार है। पर्यटक नहर देख सकता है, पुल की तस्वीर खींच सकता है और वान गैंग को याद कर सकता है। लेकिन गलती से साइकिल की पटरी पर पैर रख दिया, तो अगले ही पल वह डच आपात बैठक का विषय बन सकता है। चेतवानी आमतौर पर बस इतनी होती है। रिंग-रिंग। आवाज बड़ी शरीफ लगती है। मतलब बिल्कुल शरीफ नहीं होता। मतलब है, भाई साहब, हटिए। इस साइकिल को राजनयिक छूट मिली हुई है। फिर भी एम्स्टर्डम का एक शांत जादू है। यह धीरे-धीरे आपको अपना दीवाना बना लेता है। आसमान भी यहाँ बड़ा असमंजस में रहता है। एक पल बादल ऐसे धिरते हैं जैसे कोई माँ अपने बच्चे को लेकर जरूरत से ज्यादा चिंतित हो। अगले ही पल धूप निकलती है और नहरों, पुलों तथा ऊँचे, पतले मकानों पर सुनहरी रोशनी बिखेर देती है।

मौसम किसी उलझे हुए नेता की तरह बार-बार अपना रूख बदलता है। लेकिन नतीजा हमेशा खूबसूरत आता है। दिन में हमने एक प्यासा-सा डच गाँव भी देखा। वहाँ लकड़ी के जूते, जिन्हें क्लॉम्पेन कहा जाता है, बड़े गर्व से सजाए गए थे। पारंपरिक तरीके से पनीर बनते देखा और उस पुराने हॉलैंड की झलक मिली, जहाँ जिंदगी शायद आज से कुछ ज्यादा आराम से चलती थी। लेकिन एम्स्टर्डम सिर्फ लकड़ी के जूतों का शहर नहीं है। यह साइकिलों का शहर है।

साइकिलें हर जगह हैं। पुलों पर, नहरों के किनारे, दुकानों के बाहर और एक-दूसरे से



पहले ही बदल जाता है—कहाँ खेलेंगी, किसके साथ खेलेंगी, कितनी देर बाहर रहेगी और इससे आगे क्या मिलेगा? यही फर्क भारतीय महिला खिलाड़ी के संघर्ष को समझने की कुंजी है। एक बेटी को मैदान तक पहुँचने से पहले कई बार घर की सहमति जीतनी पड़ती है। उसे समय निकालना पड़ता है, घरेलू जिम्मेदारियों के बीच अभ्यास करना पड़ता है, सुरक्षित आने-जाने की चिंता झेलनी पड़ती है और कभी-कभी अपने पहनावे तक का जवाब देना पड़ता है। उसे यह भी साबित करना पड़ता है कि खेल उसके भविष्य के रास्ते को बंद नहीं करेगा, बल्कि खेल सकता है। उसकी लड़ाई केवल प्रतिद्वंद्वी से नहीं होती। वह मैदान में सेकंड, सेंटीमीटर और अंकों से मुकाबला करती है; घर और समाज में वह उन धारणाओं से लड़ती है जो अब भी लड़की के लिए खेल को गंभीर जीवन-चयन मानने में हिचकती हैं।

इसलिए जब कोई बेटी मैदान में उतरती है तो वह केवल खिलाड़ी नहीं बनती—वह एक पुरानी सामाजिक सीमा को चुनौती देती है। मीराबाई चानू, पी.वी. सिंधु, लवलीना बोरगोहेन और मनु भाकर जैसी खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से आने वाली

एम्स्टर्डम: जहाँ साइकिलें राज करती हैं, और नहरें इश्क लड़ाती हैं



इतनी सटाकर खड़ी कि लगता है रातों—रात इनकी आबादी बढ़ती है। साइकिल सवार चुपचाप निकलते हैं। न हॉर्न, न बहस, न गाली। बस घंटी। रिंग-रिंग। और फिर आगे रास्ते से गायब। यहाँ साइकिल सवार कोई परेशानी नहीं है। साइकिल सवार ही बॉस है। शहर में अलग साइकिल मार्ग हैं जहाँ कारें लगभग मेहमान होती हैं। मोटर चालक रास्ता देते हैं। पैदल चलने वाले सावधान रहते हैं। साइकिल सवार पुरे आत्मविश्वास से चलते हैं, जैसे उन्हें शहर भी मालूम है और अपने अधिकार भी। एम्स्टर्डम भारतीयों को एक मजेदार आईना दिखाता है। नीदरलैंड दुनिया के सबसे विकसित देशों में है, फिर भी यहाँ लोग खुशी-खुशी साइकिल चलाते हैं। भारत ने विकास के नाम पर साइकिल को पीछे छोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी। साइकिल से स्कूटर। स्कूटर से मोटरसाइकिल। मोटरसाइकिल से एसयूवी। और जिस रफ्तार से हम चल रहे हैं, शायद एक दिन बेडरूम से ड्राइंग रूम तक जाने के लिए भी एसयूवी चाहिए होगी। एम्स्टर्डम धीरे से पुष्टता है: क्या विकास के लिए चार पहिए जरूरी हैं? शायद तरक्की यह समझने का नाम

भी है कि कब दो पहिए काफी हैं। यहाँ साइकिल चलाना शौक नहीं है। यह यातायात है, व्यवस्था है और पहचान भी है। शहर ने वहाँ लगाकर साइकिल मार्ग सुधारे हैं। लाल डामर, चौड़े रास्ते और शांत चौराहे इसका हिस्सा हैं। यहाँ साइकिल मेहमान नहीं है। मेजबान है। एम्स्टर्डम की दूसरी बड़ी प्रेम कहानी पानी के साथ है। डच लोगो ने इसी जगह शहर बनाया जहाँ पानी कभी भी कह सकता था, भाड़्यों, अब आप यहाँ से निकलो। लेकिन उन्होंने पानी से हार मानने से इनकार कर दिया। नीदरलैंड का बड़ा हिस्सा समुद्र तल के बराबर या उससे नीचे है। डच लोगों ने नहरें बनाईं, बाँध खड़े किए, पंप लगाए और इंजीनियरिंग को अपना हथियार बनाया। जिस पानी को खतरा समझा जा सकता था, वही शहर की जीवनधारा बन गया। कभी इन्हीं जलमार्गों से मसाले, लकड़ी और दौलत ढोई जाती थी। उसी संपन्नता ने नहरों के किनारे खूबसूरत मकान, संग्रहालय और भव्य इमारतें खड़ी कीं। आज इन्हीं नहरों में एक और चीज खूब बहती है। पर्यटकों। और काफी संख्या में। हमारी नहर यात्रा ने एम्स्टर्डम को उसके सबसे रोमांटिक

नियमित जीवन का हिस्सा बने। स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित कोच और प्रतियोगिताएँ उपलब्ध हों। बेटियों के लिए प्रकाश, स्वच्छ शौचालय, सुरक्षित परिवहन और महिला प्रशिक्षकों जैसी बुनियादी सुविधाएँ सुनिश्चित हों। खिलाड़ी को केवल प्रशिक्षण नहीं, पोषण, शिक्षा, चिकित्सा, मानसिक तैयारी और चोट के बाद वापसी की पूरी व्यवस्था मिले। और कोच को केवल नौकरी करने वाला व्यक्ति नहीं, प्रतिभा का पहला निमार्ता समझना होगा। वही तय करता है कि बच्चा पहली हार के बाद घर लौटेगा या अगली सुबह फिर मैदान में आएगा।

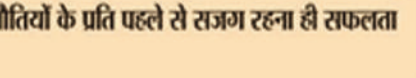
भारत को अब कुछ सितारों की सफलता पर तालियाँ बजाने से आगे बढ़ना होगा। वहाँ ऐसी खेल संस्कृति बनानी होगी जिसमें लाखों बच्चे खेल शुरू करें, प्रतिभाएँ पहचानी जाएँ और उन्हें वर्षों तक आगे बढ़ने का अवसर मिले। क्योंकि विश्वविजेता अचानक पैदा नहीं होता। वह किसी छोटे मैदान में पहली बार दौड़ता है। वहाँ पहली हार देखता है। वहाँ किसी गुरु की डॉट सुनता है। वहाँ गिरना और फिर उठना सीखता है। और संभव है कि अगली बार जब भारत का तिरंगा विश्व के किसी बड़े मंच पर सबसे ऊँचा उठे, तो उसके पीछे किसी महानगर की चमकदार अकादमी नहीं, किसी छोटे गाँव की धूल लगे।

इसलिए खेलो इंडिया खेलो केवल पदक जीतने का नारा नहीं होना चाहिए। यह हर बच्चे को मैदान और हर प्रतिभा को अवसर देने का राष्ट्रीय संकल्प होना चाहिए।

विशेषकर बेटियों के लिए— उन्हें खेलने की अनुमति नहीं, अवसर चाहिए। सुरक्षा के नाम पर सीमाएँ नहीं, सुरक्षित मैदान चाहिए। पदक के बाद सम्मान नहीं, पदक से पहले विश्वास चाहिए। क्योंकि जिस दिन किसी बेटी को खिलाड़ी बनने से पहले अपने सपने का बचाव नहीं करना पड़ेगा, उस दिन भारत केवल ज्यादा पदक नहीं जीतेगा—वह बेहतर खेल संस्कृति भी बनाएगा। पदक मंच पर मिलता है, लेकिन उसकी नींव धरती पर पड़ती है।

एम्स्टर्डम: जहाँ साइकिलें राज करती हैं, और नहरें इश्क लड़ाती हैं

रूप में दिखाया। पानी चमक रहा था। सूरज बादलों के साथ आँख-मिचौली खेल रहा था। एक के बाद एक सुंदर पुल आते गए। पुराने मकान पानी में अपना प्रतिबिंब देखकर ऐसे झुक रहे थे, जैसे पूछ रहे हों, भाई, आज भी अच्छे लग रहे हैं न? उवाब था। बिल्कुल। और तभी आई बिरयानी। उस क्षण एम्स्टर्डम अचानक अपना-सा लगने लगा। हमारी दूर लौंडर मार्था समय की ऐसी रखवाली करती हैं जैसे स्कूल की प्रधानाचार्या सुबह की प्रार्थना सभा में बच्चों की। उनका प्यार भरा लेकिन स्पष्ट आदेश, चलो, चलो। हमारे कानों में लगातार गूँजता रहता है। और हमारे पंजाबी खानसामे ने भारतीय पर्यटकों की मनोशा को खुब समझ रखा है। पहले उन्हें यूरोप दिखाओ। लेकिन उससे पहले उन्हें खाना खिलाओ। मेन्चु शानदार था। बिरयानी। दही। समोसा। ब्राउनी। अब और क्या चाहिए? समोसे ने कुरकुरापन दिया। बिरयानी ने भावनात्मक सहारा दिया। दही ने शांति स्थापित की। और ब्राउनी ने साबित कर दिया कि भारत और यूरोप के संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। यूरोप की कई दिनों की यात्रा के बाद भोजन भी पर्यटन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। एफिल टावर अच्छा है। बिग बेन ऐतिहासिक है। नहरें रोमांटिक हैं। लेकिन दोपहर दो बजे किसी भारतीय पर्यटक से पूछिए कि सबसे जरूरी चीज क्या है। जवाब आने की पूरी संभावना है: खाना कहाँ मिलेगा? हमारे समूह का अपना संविधान बन चुका है। कहाँ जाना है? कब निकलना है? कितानी दूर है? और सबसे महत्वपूर्ण सवाल— खाना कब मिलेगा? इन सवालों ने जितनी मानवता को जोड़ा है, उतनी कई अंतरराष्ट्रीय बैठकों ने भी नहीं जोड़ी होगी। धीरे-धीरे पर्यटकों का समूह एक अस्थायी परिवार बन जाता है। कोई तस्वीरें देख रहा है, कोई दुकान खोज रहा है, कोई अगले पड़ाव की चिंता कर

 सितारों की चाल: आपका भविष्यफल
दिनांक 6 अक्टूबर 2026 मंगलवार
 कुंभ आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटक हुए कार्य तेजी से गति पकड़ेंगे और मन प्रसन्न रहेगा। लंबी दूरी की किसी लाभदायक यात्रा के योग बन रहे हैं। हनुमान जी के मंत्रों का जाप करें जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत होगी।

 सितारों की चाल: आपका भविष्यफल
वृश्चिक आज आपके सोचे हुए सभी गुप्त कार्य समय पर पूरे होंगे और लंबे समय से अटका हुआ कोई महत्वपूर्ण काम बनेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें और अनावश्यक तनाव से दूर रहें। हनुमान मंदिर में चमेली के तेल का दीपक जलाएं जिससे आपके सभी शत्रु शांत होंगे।

मीन

आज आर्थिक मामलों में बहुत सावधानी बरतने की आवश्यकता है और किसी भी अनजान योजना में निवेश करने से बचें। पारिवारिक माहौल शांत रहेगा और जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। मंदिर में जाकर गरीबों को अन्न वितरित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों।

आज का वास्तु शोधनम सूर

मंगलवार के दिन घर के दक्षिण-पूर्व यानी आग्नेय कोण को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहां लाल रंग का त्रिशूर स्थापित करने तथा हनुमान जी के नाम का अखंड दीपक प्रज्वलित करने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा मंगल कृपा से नकारात्मक ऊर्जा दूर होकर साहस और पराक्रम का वास होता है।

अशोक सिंघल की जन्म शताब्दी समारोह का शुभारंभ

विश्व हिंदू परिषद के संरक्षक दिनेश चंद और साध्वी ऋतंभरा ने दी हुंकार

अशोक सिंघल के जन्मशती वर्ष पर आयोजित हुआ भव्य सांस्कृतिक एवं धार्मिक अनुष्ठान

वक्ताओं ने हिंदू समाज को एकजुट रहने और सनातन संस्कृति के संरक्षण का लिया संकल्प

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

ताजनगरी आगरा में श्रद्धेय अशोक सिंघल जी के जन्म शताब्दी समारोह का भव्य शुभारंभ किया गया, जिसके अंतर्गत आयोजित रंगारंग और देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। इस अवसर पर हजारों की संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं और रामभक्तों को संबोधित करते हुए विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक आदरणीय दिनेश चंद जी ने कहा

खेत से मिट्टी उठाने को लेकर दो पक्षों में फायरिंग गोली लगने से एक किशोरी की मौत, चार घायल



○ टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

थाना निबोहरा क्षेत्र के गांव गद्दी धर्मजीत में खेत से मिट्टी उठाने का आरोप मना करने पर लाइसेंसी हथियारों से की ताबड़तोड़ फायरिंग गोली लगने से एक किशोरी की मौत हो गई चार घायल हो गए सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोपियों से 10 से 12 राउंड फायरिंग की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के गांव गद्दी धर्मजीत निवासी फूल सिंह पुत्र चंदन सिंह ने बताया कि घर के पीछे पशु बंधे थे तभी रविवार की शाम छोटे भाई अजमेर सिंह की पुत्रवधू पशुओं को लेने गई थी। अपने खेत में काम कर रहे गांव के ही रमेशचंद पुत्र चंद्रभान पक्ष



कि आगरा की इस पावन भूमि पर जन्मे अशोक सिंघल ने अपना पूरा जीवन सनातन धर्म, हिंदू समाज और राष्ट्रसेवा के लिए होम कर दिया था। उनका पूरा जीवन त्याग, तपस्या, संघर्ष और संगठन के प्रति अटूट निष्ठा का एक अनूठा उदाहरण रहा है।

श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में रहा अहम योगदान

दिनेश चंद ने आगे कहा कि अशोक सिंघल ने विश्व हिंदू परिषद के माध्यम से देश और दुनिया भर में बिखरे हिंदू समाज को एक सूत्र में पिरोने, सनातन संस्कृति के संरक्षण और धर्म-जागरण के लिए आजीवन अथक प्रयास किए। ऐतिहासिक

श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में भी उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और अग्रणी रही थी। उनकी जन्मशती के इस पावन अवसर पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम उनके बताए मार्ग पर चलकर सनातन संस्कृति, हिंदू समाज की एकजुटता और राष्ट्रहित के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाते रहेंगे।

बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई मां-बेटा घायल

फतेहाबाद। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर रविवार को बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में मां-बेटा घायल हो गए सूचना पर पहुंची पुलिस व यूपीडा की टीम ने घायलों को उपचार के लिए सीएचसी फतेहाबाद में भर्ती कराया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना शमशाबाद क्षेत्र के गोपालपुरा वार्ड नंबर 4 निवासी मौसिम पुत्र अमालुद्दीन अपनी मां ऐसाना के साथ सिरसागंज अपने मां के घर जा रहा था। जैसे ही रविवार 12:00 बजे के करीब थाना फतेहाबाद क्षेत्र के आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे किलोमीटर 32. 800 पर पहुंचे तो सड़क किनारे रखे ड्रम से बाइक टकराकर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई।

जिससे बाइक सवार मां बेटा सड़क पर गिरकर घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस व यूपीडा की टीम ने घायलों को उपचार के लिए सीएचसी फतेहाबाद में भर्ती कराया गया जहां से प्राथमिक उपचार की बात परिजन उन्हें शमशाबाद लेकर चले गए।

नौकर के लापता होने में फंसे भाजपा नेता, पांच पर एफआईआर

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

एल्माददौला थाना क्षेत्र में एक फार्म हाउस से करीब 19 साल से काम कर रहा नौकर रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गया। लापता नौकर की तलाश के दौरान उसका मोबाइल फोन और कपड़े यमुना किनारे मिलने से मामला और गहरा गया है। परिजनों ने उसके साथ किसी अनहोनी की आशंका जताई है। मामले में लापता राजवीर के भतीजे जितेंद्र शर्मा की शिकायत पर भाजपा नेता रामवीर सिसोदिया समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

बताया गया है कि राजवीर पिछले करीब 19 वर्षों से भाजपा नेता रामवीर सिसोदिया के फार्म हाउस पर नौकर के तौर पर काम कर रहा

था। वह लंबे समय से फार्म हाउस पर ही रहकर काम करता था। अचानक उसके लापता होने से परिवार के लोग परेशान हो गए। परिजनों के मुताबिक, 2 अक्टूबर को राजवीर के बारे में फोन करके उसके घर से चले जाने की जानकारी दी गई। इसके बाद जब परिजनों ने राजवीर से संपर्क करने का प्रयास किया तो उससे बात नहीं हो सकी। उसकी तलाश शुरू की गई तो कोई जानकारी नहीं मिली। मामला उस समय और गंभीर हो गया, जब तलाश के दौरान राजवीर का मोबाइल फोन और कपड़े यमुना किनारे मिले। सामान मिलने के बाद परिजनों की चिंता बढ़ गई। भतीजे जितेंद्र शर्मा ने राजवीर के अचानक गायब होने को सामान्य घटना नहीं मानते हुए उसे गायब किए जाने की आशंका जताई।



साध्वी ऋतंभरा का आह्वान— जाति-भेद मिटाकर स्वयं को सिर्फ हिंदू समझें

समारोह को संबोधित करते हुए प्रसिद्ध साध्वी दीदी मां ऋतंभरा जी ने कड़े शब्दों में चेताया कि आज

सुनियोजित षड्यंत्रों के तहत हिंदू समाज को तोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में

सक्रिय कुछ आसुरी और विदेशी शक्तियां हिंदू समाज को जातियों के नाम पर बांटकर आपस में लड़वाने की साजिश रच रही हैं, जिनसे हर नागरिक को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

साध्वी ऋतंभरा ने जोर देकर कहा कि हिंदू समाज की असली ताकत उसकी अटूट एकता में है।

क्षमावाणी पर्व पर जैन महासभा ने आयोजित किए कार्यक्रम

65 यूनिट हुआ रक्तदान

■ चित्रकला प्रतियोगिता में 80 बच्चों ने चित्रों के जरिए दिया जैन धर्म व पर्यावरण संरक्षण का संदेश

■ साधारण सभा में महिला मंच के गठन और शिरोमणि व परम संरक्षक बनाए जाने का लिया गया संकल्प

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

अग्रवाल दिगंबर जैन महासभा के तत्वावधान में कमला नगर स्थित महाराजा अग्रसेन सेवा सदन में दो दिवसीय वार्षिक 'क्षमावाणी पर्व' का भव्य शुभारंभ हुआ। पहले दिन रक्तदान शिविर, बाल चित्रकला प्रतियोगिता तथा महासभा की साधारण सभा की बैठक का आयोजन किया गया।

रक्तदान शिविर और चित्रकला प्रतियोगिता

महासभा के अध्यक्ष पारस जैन तथा महामंत्री संजय बाबू जैन ने बताया कि दो दिवसीय आयोजन के पहले दिन आयोजित रक्तदान शिविर



में समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कुल 65 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। वहीं चित्रकला प्रतियोगिता में 80 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिन्होंने अपनी कलाकृतियों के माध्यम से जैन धर्म के सिद्धांतों और पर्यावरण संरक्षण का सुंदर व प्रेरक संदेश दिया।

साधारण सभा में कई महत्वपूर्ण संकल्प पारित

प्रतियोगिताओं के उपरांत महासभा की साधारण सभा की बैठक आयोजित हुई, जिसमें संस्था के वार्षिक लेखा-जोखा पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संस्था के लिए शीघ्र ही एक उपयुक्त

हमें जाति और पंथ के छोटे-छोटे भेदों से ऊपर उठकर सबसे पहले खुद को एक 'हिंदू' और सनातन संस्कृति का सच्चा प्रहरी मानना होगा। उन्होंने सोशल मीडिया पर फेक आईडी बनाकर या अपनी पहचान छिपाकर जहर घोलने वाले तत्वों के प्रति भी आगाह किया, जो समाज के बीच भ्रम और अविश्वास फैलाना चाहते हैं।

कार्यक्रम में इन प्रमुख गणमान्य लोगों की रही उपस्थिति

इस भव्य आयोजन के दौरान प्रांत अध्यक्ष कन्हैयालाल अग्रवाल, प्रांत मंत्री अनुज सिंह, कार्यक्रम अध्यक्ष जयप्रकाश त्यागी, विशिष्ट अतिथि प्रदीप कुमार मौर्य, विशिष्ट अतिथि गौरव बंसल, दिनेश उपाध्याय, क्षेत्र

संगठन मंत्री मुकेश खांडेकर, प्रांत संगठन मंत्री राजेश कुमार, प्रांत सह मंत्री राकेश त्यागी, अभय प्रताप सिंह, मुकेश राजपूत, दिग्विजय नाथ तिवारी, सुनील पाराशर, राहुल जोशी, दीपक अग्रवाल, राजीव शर्मा, विभाग संगठन मंत्री सुशील जी, अजय गर्ग और पवन दिवाकर सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन और कार्यकर्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

समारोह के अंत में सभी ने एकजुट होकर एक स्वर में यह संकल्प लिया—जातियों में नहीं बंटेंगे, हिंदू समाज को जोड़ेंगे। भ्रम और वैमनस्य फैलाने वाली ताकतों से हमेशा सावधान रहेंगे। सनातन संस्कृति और राष्ट्रहित के लिए हमेशा तन्मयता से कार्य करेंगे।

विश्व हिंदू परिषद के संरक्षक दिनेश चंद और साध्वी ऋतंभरा ने दी हुंकार

अशोक सिंघल के जन्मशती वर्ष पर आयोजित हुआ भव्य सांस्कृतिक एवं धार्मिक अनुष्ठान

वक्ताओं ने हिंदू समाज को एकजुट रहने और सनातन संस्कृति के संरक्षण का लिया संकल्प

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

ताजनगरी आगरा में श्रद्धेय अशोक सिंघल जी के जन्म शताब्दी समारोह का भव्य शुभारंभ किया गया, जिसके अंतर्गत आयोजित रंगारंग और देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। इस अवसर पर हजारों की संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं और रामभक्तों को संबोधित करते हुए विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक आदरणीय दिनेश चंद जी ने कहा

थाना निबोहरा क्षेत्र के गांव गद्दी धर्मजीत में खेत से मिट्टी उठाने का आरोप मना करने पर लाइसेंसी हथियारों से की ताबड़तोड़ फायरिंग गोली लगने से एक किशोरी की मौत हो गई चार घायल हो गए सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोपियों से 10 से 12 राउंड फायरिंग की।

दूसरे दिन होगा सम्मान समारोह और सांस्कृतिक कार्यक्रम

कोषाध्यक्ष गर्ग विजय जैन ने बताया कि सोमवार को समारोह के दूसरे दिन सांस्कृतिक संध्या एवं सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण से होगी, जिसके बाद भक्ति नृत्य और नाटिका की प्रस्तुतियां होंगी। त्यागी वृत्ति सम्मान के अंतर्गत दशलक्षण पर्व के दौरान



राम बारात से पहले जागा पीडब्ल्यूडी मुख्य बाजार की सड़क के गड्ढे भरने का काम शुरू

पिनाहट। पिनाहट कस्बे में राम बारात महोत्सव को लेकर लोक निर्माण विभाग हरकत में आ गया है। विभाग ने गुरुवार को कस्बे के मुख्य बाजार मार्ग पर गड्ढे भरने का कार्य शुरू करा दिया।

बताया गया कि मुख्य बाजार मार्ग पर जगह-जगह गहरे गड्ढे होने से राहगीरों और दुकानदारों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। राम बारात में हजारों श्रद्धालुओं के उमड़ने की संभावना को देखते हुए व्यापार मंडल और स्थानीय लोगों ने सड़क की मरम्मत की मांग की थी।

मांग पर संज्ञान लेते हुए पीडब्ल्यूडी के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर गिट्टी और मिट्टी डालकर गड्ढों को भरने का काम किया।

स्थानीय लोगों ने विभाग को इस पहल का स्वागत किया है, हालांकि लोगों का कहना है कि सिर्फ गड्ढे भरने से काम नहीं चलेगा, सड़क का स्थायी निर्माण कराया जाना चाहिए।

बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर घायल

फतेहाबाद। बाह-फतेहाबाद मार्ग पर शनिवार की शाम बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी इस दौरान घायल हो गया सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बाइक सवार सकील निवासी शिकोहाबाद जिला फिरोजाबाद बाइक से जा रहे थे बाह-फतेहाबाद मार्ग पर पीतांबर दाबा के पास सकील की बाइक में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया।सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार के लिए फतेहाबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद आगरा रेफर कर दिया गया है।पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है।

जेल से रिहा कांग्रेसी नेता धनगर का स्वागत

गांधी और भगत सिंह की प्रतिमाओं पर किया माल्यार्पण

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पैतृक आवास पर धरना-प्रदर्शन के मामले में गिरफ्तार किए गए मथुरा कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं को न्यायालय से जमानत मिलने के बाद मथुरा पहुंचने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्वागत एवं अभिनंदन किया।

धरना-प्रदर्शन के बाद आगरा जिला प्रशासन द्वारा कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुकेश धनगर, उत्तर प्रदेश कांग्रेस संगठन महासचिव अनिल यादव, मनोज गौड़ पंकज चौधरी, राजा गौतम, विक्रम वाल्मीकि, उमेश शर्मा और करन सिंह निषाद राजेश धनगर सहित अन्य कार्यकर्ताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

मामले की न्यायालय में सुनवाई के दौरान गंभीर धाराओं को हटाए जाने के बाद मुकेश धनगर सहित



सभी कार्यकर्ताओं को जमानत मिल गई। जमानत के बाद आगरा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुकेश जनगणना बताया कि कांग्रेस

कार्यकर्ताओं को हाल ही में विरोध प्रसंग के दौरान भारत में लेकर आगरा जेल भेजा गया था रिहाई के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों और जनित



के मुद्दों को लेकर अपने संघर्ष की जीत बताया।

इसके बाद मथुरा पहुंचने पर जिला कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुकेश धनगर सहित

सभी साथियों का फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने इस दौरान एकजुटता का संदेश दिया।

स्वागत कार्यक्रम के पश्चात

कांग्रेस कार्यकर्ता राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पहुंचे और माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर उनके देश के प्रति योगदान को याद किया गया।

कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

स्वागत करने वालों में सर्वश्री कॉमरेड शिवदत्त चतुर्वेदी मीडिया विभाग के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर सिंह निषाद अप्रतिम सक्सेना हाकिम सिंह छोकर आदित्य तिवारी नरेंद्र शर्मा रमेश कश्यप कीर्ति कौशिक आशीष अग्रवाल पुनीत बघेल प्रवीण ठाकुर विवेक धनगर संदीप हिंडोल बालवीर प्रधान अशोक निषाद के के गौतम राजेंद्र कुमार हाशिम हुमैर सेलू बघेल शाहिद आदि कांग्रेस जनों ने जोरदार स्वागत कर जमानत मिलने पर हर्ष व्यक्त किया।



पुलिस ने खोजे 543 मोबाइल फोन, पुलिस लाइन सभागार में स्वामियों को सौंपे

मथुरा। सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से सर्विलांस सेल ने विभिन्न थाना क्षेत्र से गुम हुए 543 मोबाइल फोन पुलिस ने खोज निकाले। इनकी कुल कीमत लगभग 02 करोड़ रुपए है। बरामदगी के बाद मोबाइल उनके स्वामियों के सुपुर्द कर दिए। इस सम्बन्ध में रविवार को अपर पुलिस अधीक्षक अपराध श्वेता यादव ने पत्रकारों को बताया कि जनपद के विभिन्न-विभिन्न थानों से 12 मई से 30 सितंबर के बीच गुम हुए मोबाइलों को सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से सर्विलांस सेल व थानों पर गठित सीईआईआर टीमों द्वारा जनपद के सीमावर्ती राज्यों की पुलिस से समन्वय स्थापित करते हुये गुम हुए 543 मोबाईल फोन (कुल कीमत लगभग 02 करोड़ रुपए) बरामद किये गये। मोबाइल स्वामियों द्वारा मोबाइल फोन पाकर मथुरा पुलिस की भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी। थानावार मोबाइल बरामदगी का विवरण वृंदावन140, सूरुरी11, गोवर्धन 72, महावन10, पर्यटन थाना 64,सदर बाजार10, कोतवाली 42, शेरागढ़ 08, कोसीकला 39,मगोरा 07, जैत22, फरह 07, हाईवे 20, राया 06, छला 15, बरसाना 05, गोविन्दनगर 15,मांट 04, रिफाइनरी 15,नौहड्डील 04, बलदेव 14, साइबर थाना 01, जमुनापार12 शामिल हैं।

पुलिस ने दबोचा हत्यारा

मथुरा। थाना नौहड्डील पुलिस टीम ने हत्या के अभियोग में वांछित चल रहे अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम ने रविवार को समय करीब 10.05 बजे अभियुक्त के घर गांव मुडुलिया थाना नौहड्डील जनपद मथुरा से अभियुक्त धीरेन्द्र पुत्र जहान सिंह नि0 ग्राम मुडुलिया थाना नौहड्डील जनपद मथुरा उन्न कर्रीब 36 वर्ष को दबोच लिया। अभियुक्त सम्बन्धित मु0अ0सं0 292/26 धारा 103(1)/351(3) बी0एन0एस0 की विधिक कार्यवाही की गई। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी अन्जोश कुमार सिंह, उ0नि0 हरन्द सिंह आदि शामिल थे।

पुलिस की गाड़ी से होंडा सिटी कार टकराई, एक की मौत

मथुरा। यमुना एक्सप्रेस वे पर थाना राया क्षेत्र में माइल स्टोन 107 पर पुलिस की गश्त गाड़ी और होंडा सिटी में भीषण टक्कर हो गई। हादसे में एक की मौत हो गई, जबकि पुलिसकर्मि सहित तीन घायल हो गए। दमकल की गाड़ी ने आग पर काबू पाया। रविवार को यमुना एक्सप्रेस वे पर थाना राया क्षेत्र में माइल स्टोन 107 के समीप पुलिस की गश्त कर रही गाड़ी की होंडा सिटी कार से भिड़त हो गई। टक्कर के बाद होंडा सिटी कार में भीषण आग लग गई। कार में भीषण लाइट देख एक्सप्रेसवे पर वाहनों की रफ्तार थम गई। सीओ मांट अमरनाथ यादव ने बताया की हादसे में कार में सवार दिल्ली के राजोरी गार्डन निवासी राघव की मौत हो गई, जबकि उसकी बहन प्रतिभा घायल हो गई है। इसके अलावा पुलिस की गश्त की गाड़ी में सवार पुलिस कर्मी अनिल और चालक प्रताप सिंह घायल हो गए।

बीएएमएस परीक्षा के दौरान नकल करते पकड़ा गया छात्र, यूएफएम के तहत कार्रवाई

मथुरा। महायोगी गुरु गोरखनाथ आश्रु विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश की बीएएमएस प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं मथुरा के बीएसए (पीजी) कॉलेज में कड़ी सुरक्षा और निगरानी के बीच आयोजित की जा रही हैं। इन परीक्षाओं में मथुरा के ओडीएम कॉलेज (राया), एसकेएस कॉलेज (छाता) और धन्वर्तरी कॉलेज (छाता) के छात्र-छात्राएं शामिल हो रहे हैं। ये परीक्षाएं 28 सितंबर से 30 अक्टूबर तक चल रही हैं। शनिवार को परीक्षा संचालन के दौरान महाविद्यालय के पलाइंस स्वाद ने विभिन्न परीक्षा कक्षों का सघन निरीक्षण किया। तलाशी अभियान के दौरान ओडीएम कॉलेज राया का एक छात्र नकल की पर्ची के साथ रंगे हाथों पकड़ा गया। विश्वविद्यालय के नियमानुसार छात्र के खिलाफ अनुचित साधन (यूएफएम - यूएफएम) के तहत सख्त कार्रवाई की गई है। बीएसए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ललित मोहन शर्मा ने बताया कि परीक्षा की शुविता और पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने के लिए केंद्र पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। सभी परीक्षा कक्षों में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। प्राचार्य ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी है कि किसी भी परीक्षार्थी को अनुचित साधनों का प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। नकल या किसी भी अन्य प्रतिबन्धित सामग्री के साथ पकड़े जाने पर विश्वविद्यालय के नियमों के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस सघन निरीक्षण दल में डॉ. बबीता अग्रवाल, डॉ. शेफाली भार्गव, डॉ. रवीश शर्मा, डॉ. यूके त्रिपाठी, डॉ. बीके गोस्वामी प्राध्यापक शामिल रहे।

अडींग पंचायत में बंट रही खैरात परासौली के चंद्र सरोवर पर स्वयंसेवकों ने चलाया स्वच्छता अभियान

करोड़ों के सरकारी धन से तैयार ऐसेटस बगैर नीलामी के दिये जा रहे

एक साल से फ्री में देखा दो करोड़ लागत वाला स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स,अब रतन पार्क दिया

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

39 करोड़ की परफॉर्मेंस ग्रांट वाली गोरवर्धन क्षेत्र की ग्राम पंचायत अडींग में 10 यों करोड़ रुपए के सरकारी धन से तैयार बारातघर, आर ओ एटीएम, स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स, उत्सव केन्द्र, कैफिटेरिया कबाड़ हो रहे हैं लेकिन इन्हें खुली बोली के जरिए किसी को नहीं सौंपा गया है। प्रधानों का कार्यकाल खत्म होने के बाद इन्हें सचिव और अफसर गुपचुप तरीके से चहेतों को दे रहे हैं। इसकी शिकायत ग्रामीणों ने उच्चाधिकारियों से की है।

ग्रामीणों का आरोप है कि करोड़ों के सरकारी धन से तैयार ऐसेटस खैरात की तरह दिए जा रहे हैं। एक साल से तीरंदाजी के लिए स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स दे रखा है। कोई लिखा पढ़ी या अनुबंध नहीं है। पंचायत को एक रुपया नहीं मिल रहा है। विश्वकर्मा काम्प्लेक्स की दुकानें बगैर नीलामी के उठा दी गईं। अभी रतन पार्क भी बगैर नीलामी की पारदर्शी प्रक्रिया को धता बता चुपचाप किसी को एक साल के



लिए दे दिया गया है।

इधर लोक आयुक्त द्वारा गठित मण्डलीय जांच दल ने बगैर भौतिक सत्यापन किए जांच रिपोर्ट लोक आयुक्त को भेज दी लेकिन शिकायतकर्ता को जांच की प्रति भी नहीं भेजी है। इसकी शिकायत भी शिकायत कर्ता अजीत सैनी ने लोक आयुक्त को कर दी है।

परिवादी का आरोप है मण्डलायुक्त आगरा के जन सूचना अधिकारी ने आरटीआई के तहत भी जांच रिपोर्ट नहीं भेजी है,पत्र में जांच रिपोर्ट भेजना लिख दिया है। इसकी अपील एडीशनल कमिश्नर आगरा को की है। जिलाधिकारी द्वारा गठित जांच समिति ने भी गांव में किसी सी सी सड़क की

सेंपलिंग नहीं की है। हर सड़क में 6 की जगह 4 इंच गिट्टी ही डाली गई है। छह महीने में जांच अधिकारी एसडीएम छाता केवल एक दिन भौतिक सत्यापन को आये। उन्होंने गांव में किसी शिकायत कर्ता से संपर्क नहीं किया।

नकली एलईडी लाइट पर खर्च हुए 60 लाख व आर ओ एटीएम आदि की शिकायत मौके पर स्थानीय लोगों द्वारा दिये जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की। ग्रामीणों का आरोप है परफॉर्मेंस ग्रांट की निगरानी समिति के चेयरमैन डीएम हैं। इसलिए अफसर ही घपलों पर पर्दा डाल रहे हैं। पांच साल में हुए हर काम में व्यापक घपले हैं लेकिन कार्रवाई कोई नहीं हुई।

परासौली के चंद्र सरोवर पर स्वयंसेवकों ने चलाया स्वच्छता अभियान

स्वच्छता सेवा के साथ दिया ‘स्वच्छ ब्रज’ का संदेश, श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों को किया जागरूक

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

ब्रज की धार्मिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत को स्वच्छ, सुंदर और संरक्षित रखने के उद्देश्य से संचालित ह्यब्रज वैभव अभियानह्म के अंतर्गत रविवार को सूर कुटीर चंद्र सरोवर, परासौली में स्वच्छता सेवा अभियान चलाया गया। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, जिला प्रशासन, नगर

निगम एवं हार्टफुलनेस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस अभियान में विभिन्न क्षेत्रों से आए स्वयंसेवकों ने श्रमदान कर स्वच्छ ब्रज का संदेश दिया।

हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है महाभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम की प्रेरणा हार्टफुलनेस के मार्गदर्शक पद्म भूषण कमलेश डी. पटेल के उस दृष्टिकोण से जुड़ी है, जिसमें

आंतरिक परिवर्तन के साथ समाज और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी को भी महत्वपूर्ण माना गया है। ब्रज वैभव अभियान के माध्यम से स्वच्छता, सेवा, जागरूकता और जनसहभागिता को जनआंदोलन का स्वरूप देने का प्रयास किया जा रहा है। अभियान का शुक्रआत सुबह आठ बजे सामूहिक ध्यान से हुई। इसके बाद सुबह 8:30 बजे से

स्वयंसेवकों ने चंद्र सरोवर एवं आसपास के क्षेत्रों में श्रमदान कर कचरा एकत्र किया और परिसर को सफाई की।

इस दौरान श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों को सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक करते हुए अपील की गई कि धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों को स्वच्छ रखना केवल प्रशासन ही नहीं, बल्कि

प्रत्येक नागरिक, दुकानदार, श्रद्धालु और तीर्थयात्री को सामूहिक जिम्मेदारी है।

स्वच्छता अभियान में मथुरा के साथ आगरा, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, इगलास (अलीगढ़), देहरादून सहित आसपास के क्षेत्रों से आए हार्टफुलनेस के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और ब्रजभूमि की सेवा में योगदान दिया।

दो करोड़ रुपये कीमत के 543 गुम मोबाइल मथुरा पुलिस ने किए बरामद

मथुरा। जिले में गुम और चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मथुरा पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। सर्विलांस सेल और विभिन्न थानों पर गठित सीईआईआर टीमों ने पोर्टल की मदद से कुल 543 गुम मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इन सभी बरामद मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत करीब दो करोड़ रुपये बताई जा रही है। अपर पुलिस अधीक्षक (अपराध) श्रीमती श्वेता यादव ने जानकारी दी कि 12 मई 2026 से 30 सितंबर 2026 के बीच जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से मोबाइल गुम होने की शिकायतें दर्ज कराई गई थीं। सर्विलांस सेल टीम प्रभारी विकास कुमार शर्मा और सीईआईआर टीमों ने आधुनिक तकनीकी माध्यमों और सीमावर्ती राज्यों की पुलिस के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर इन मोबाइलों को ट्रेस किया।

अभियान के दौरान जिले के थाना वृंदावन 140 मोबाइल, थाना गोवर्धन 72 मोबाइल, पर्यटन थाना 64 मोबाइल, कोतवाली 42 मोबाइल, कोसीकला 39 मोबाइल, जैत 22 मोबाइल, हाईवे 20 मोबाइल, छाता व गोविंद नगर 15-15 मोबाइल, रिफाइनरी 15 मोबाइल, बलदेव 14 मोबाइल, जमुनापार 12 मोबाइल, सूरुरी 11 मोबाइल, महावन व सदर बाजार 10-10 मोबाइल, शेरागढ़ 8 मोबाइल, मगोरा व फरह 7-7 मोबाइल, राया 6 मोबाइल, बरसाना 5 मोबाइल, मांट व नौहड्डील 4-4 मोबाइल, साइबर थाना 1 मोबाइल बड़ी संख्या में फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, थाना स्तर से अब तक 311 मोबाइल फोन उनके वास्तविक स्वामियों को सौंप जा चुके हैं।

खड़े टैंकर से टकराई तेज रफ्तार बाइक, दो युवकों की दर्दनाक मौत

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर रिफाइनरी थाना क्षेत्र के बरारी गांव के समीप शनिवार शाम एक भीषण सड़क दुर्घटना सामने आई। सड़क किनारे खड़े एक गैस कैस्पूल टैंकर में पीछे से आ घुसी बाइक के दुर्घटनाग्रस्त होने से दो युवकों की जान चली गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा शनिवार शाम करीब 6 बजे हुआ। दोनों युवक बाइक से किसी कार्यवश जा रहे थे। बरारी गांव के पास हाईवे पर खड़े एक गैस कैस्पूल ट्रक को वे समय रहते देख नहीं सके और उनकी तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सीधे टैंकर के पिछले हिस्से में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों



सवार गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर तड़पने लगे। घटना के तुरंत बाद आसपास के ग्रामीणों और राहगीरों का जमावड़ा लग गया। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को संभाला और आनन-फानन में इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, डॉक्टरों के भरपूर प्रयास के बावजूद दोनों ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान कुरकदा गांव

निवासी आंसू और सूरज के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। रिफाइनरी थाना प्रभारी अजय कौशल ने बताया कि शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही पुलिस दुर्घटना के सटीक कारणों और हाईवे पर बिना सुरक्षा मानकों के खड़े किए गए ट्रक की स्थिति की भी गहनता से जांच कर रही है।

